नस के जरिए (आई वी) आयरन का निषेक

कभी कभी नस में डिरिप के जरिए आयरन देने की आवश्यकता क्यों होती है......

यह पत्रिका आई वी आइरन के निषेक के बारे में कुछ आम सवालों के जवाब देती है। इसमें सभी उपलब्ध जानकारी सम्मिलित नहीं है और न ही यह पत्रिका उसकी जगह नहीं ले सकती जो बात आप अपने डॉक्टर या मिडवाइफ से कर सकते हैं कि क्यों आपके लिए आई वी आइरन का परामर्श दिया गया है।

आई वी आयरन का निषेक क्या है?

'इंटरवीन' या 'आई वी' का मतलब है कि आपकी नस के रस्ते कुछ सीधा आपके शरीर के खून के प्रवाह में भेजना। नस में एक सुई लगाई जाती है (आमतौर पर हाथ के ऊपर के हिस्से या बाजू पर) जो डिरिप से जुड़ी होती है जिसमें आयरन एवं सेलाइन (जीवाणुहीन खाने पानी का घोल) का मिश्रण होता है। यह तरल पदार्थ 'डिरिप' (निषेक) किया जाता है नस में और यह आपके शरीर के खून में मिश्रित हो जाता है।

आयरन क्यों महत्वपूर्ण है?

आयरन शरीर के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हीमोग्लोबिन (रोशन-वर्णकारी) बनाता है, एक रंगदात्र जो रेड ब्लड सेल बनाता है। जब शरीर में आयरन की बहुत ज्यादा कमी हो जाती है तो हीमोग्लोबिन (रोशन-वर्णकारी) का स्तर सामान्य से नीचे हो जाता है। इसे 'आयरन डेफीसेन्सी अलामिया' (आयरन की कमी से शरीर में रक्त की कमी) कहा जाता है।

हीमोग्लोबिन बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि यह फेफड़ों में से आक्सिजन लेकर शरीर के दूसरे हिस्सों में पहुँचाता है। अगर आपके हीमोग्लोबिन या आयरन के स्तर में कमी आती है तो इससे आपको थकावट महसूस होती है और आप रोजमर्रा के काम नहीं कर सकते।

मुझे क्यों आई वी आयरन की आवश्यकता हो सकती है?

आयरन की कमी के कारण हुई खून की कमी के इलाज का सबसे मामूली तरीका है आइरन की गोली या उसे तरल रूप में लेना। ज्यादातर लोगों पर यह असर करता है और आमतौर पर इसे ही पहले आजमाया जाता है।
आई वी आयिन की आवश्यकता आपको तभी हो सकती है:

- मुँह द्वारा आइन सहन करने में असमर्थ हो
- गट (पेट) द्वारा आइन सोखना असमर्थ हो
- शरीर में से खून निकलने की वजह से पर्याप्त आयरन सोखने में असमर्थ हो
- अगर शीघ्र आपके आयरन के स्तर को बढ़ाना हो जिससे महत्वपूर्ण जिल्ले रोगों या खून चढ़ने में मदद मिल सके (जैसे बहुत बढ़े आपराषन से पहले या बाद, गर्भावस्था के अंतिम दौर में बहुत ज्यादा खून की कमी या शिशु के जन्म के बाद)
- आयरन की गोली असर नहीं कर रही हो (जैसे बहुत पुराने स्वास्थ्य रोग की वजह से)
- किंडनी( गुदाश) रोग या हार्ट फेल हो

आई वी आयरन के खतरे और लाभ

आपका डॉक्टर या मिडवाइरिंग जानकारी देंगे कि आई वी आयरन के आप के लिए क्या खतरे, लाभ और उपलब्ध विकल्प हैं। 33% गर्भवती स्त्रियों को शीघ्र आयरन पौधीमाल्टोस निषेक के दौरान इसके लक्षणों का अनुभव होता है। अधिकतर मरीज़ों के यह लक्षण बिल्कुल दूर हो जाते हैं जब निषेक की समाप्ति होती है परंतु, बहुत कम केसों में यह जानलेवा भी हो सकते हैं। आयरन की कमी से हुई खून की कमी में आई वी आयरन का नुस्खा तभी दिया जाता है जब मुँह से ली गई आयरन की गोली आप सहन न कर सकें, उसका आपके ऊपर असर न हो या जल्द काम करने लायक न हो और आई वी आयरन के लाभ आपके केस में अधिक हों और खतरे कम। अगर कोई भी संभावना है कि आप गर्भवती हों, तो अपने डॉक्टर या मिडवाइरिंग से बताएं क्योंकि आई वी आयरन गर्भावस्था के पहले तीन महीने दौरान विज्ञ की जानी चाहिए।

आई वी आयरन के विकल्प

मुँह द्वारा आयरन: अगर आप मुँह द्वारा ली गई गोली को सहन कर सकते हैं और आपका शरीर उसमें से आइन सोख सकता है तो यह पहला तरीका है जो आजमाया जाएगा (अगर आपके हीमोग्लोबिन को शीघ्र बढ़ाने की जरूरत न हो।) अगर आयरन की गोली से आपका पेट खराब होता है, तो तरल रूप में आयरन की कम घोड़ आजमायी जाएगी और जैसे जैसे सहन होगी उसकी मात्रा बढ़ाई जाएगी या आयरन
की गोली रोजाना की बजाए 2 या 3 गोलियां हफ्ते में ली जा सकती है - अपने
डॉक्टर या मिडवाइफ से बात कीजिए क्योंकि यह महत्वपूर्ण है की सही मात्रा आइरन
की दी जानी चाहिए। बहुत आइरन की गोलीयाँ यह दावा करती हैं कि वह बेट के
लिए कोमल हैं परंतु उनमें इतनी आयरन नहीं होती जो खून की कमी का इलाज कर
सके।

खून का निषेध - जब बहुत ज्यादा खून की कमी हो या खून बह रहा हो उस वक्त
खून का निषेध जिंदगी बचा सकता है। इसमें आई वी आयरन के मुकाबले अधिक
खतरे हैं और उस वक्त तक वर्जित करना चाहिए जब तक हीमोग्लोबिन के स्तर में
शीघ्र बढ़ावा नहीं चाहिए (जब लाभ ज्यादा हो खतरे से)

खुराक - एक बार जब किसी इंसान के शरीर में आयरन कम हो जाती हैं और खून
की कमी हो जाती है तो यह मुश्किल हो जाता है कि उतनी आइरन वापस उसके
शरीर में डाल दी जाए चाहे वह आयरन से भरपूर खुराक भी ले।
आई वी आयरन लेने से पहले

अपने डाक्टर या मिडवाइफ़ से बताएँ अगर आप:

- गर्भवती हैं या गर्भवती होने की कोशिश कर रहीं हैं
- कभी पहले अस्थामा (दमा), खुजली या ऐलजी की शिकायत हो
- कभी पहले किसी प्रकार के आयर्न के टीके या निषेक से कोई प्रतिक्रिया हुई हो
- कभी पहले आयर्न के स्तर में बढ़ोतरी, हीमोकॉर्मेटोसिस या जिगर के रोग हों
- किसी प्रकार की दवाई लेते हों (जिसमें होमोपैथी और सीधी दुकान से मिलने वाली दवाईयाँ भी शामिल हैं)

कितनी आयरन की आवश्यकता है?

आपका डाक्टर या मिडवाइफ़ यह हिसाब लगाकर बता सकते हैं कि आपके हीमोग्लोबिन स्तर को नामस्त बढ़ाने के लिए आपकी कितनी आयरन की ज़रूरत है और साथ ही भविष्य के लिए आयरन का भण्डार आरक्षित हो। शरीर को जितनी आयरन की आवश्यकता हो अगर वह सारी एक निषेक (एक ही इलाज) में दे दी जाए तो उसे ‘टोटल डोज’ निषेक कहा जाता है।

कभी कभी टोटल डोज की आवश्यकता होती है परंतु आमतौर पर थोड़ी मात्र में दी गई आई वी आयरन ही जो हीमोग्लोबिन के स्तर को इतना बढ़ाने में मदद करती है जो लक्षणों में सुधार लाने के लिए काफ़ी है और खून के निषेक को वर्जित रखने में सहायता करती है। बाकी की आयरन भी धीरे-धीरे आने वाले महीनों में गोली के माध्यम से शरीर में वापिस डाली जाती है।

आयरन कुछ हफ़्ते लेती है अपना पूरा असर करने के लिए और आपका डाक्टर या मिडवाइफ़ आपकी हीमोग्लोबिन स्तर जाँच करके देख सकते हैं कि यह आपके ऊपर कितना असर कर रही है।

आई वी आयरन के प्रकार

आयरन पॉलीमालटोज़ (फैरोसिंग या फैरम एच): इसे एक बार में बड़ी डोज़ के जरिए दिया जा सकता है (‘टोटल डोज’ निषेक) या कई घंटों में थोड़ी थोड़ी। (प्राथमिक उत्पाद)
आयरन सुकरोज़ (वेनोफर) बड़ी डोज़ के रूप में नहीं दी जा सकती लेकिन आधे घंटे में कम डोज़ की लड़ी के रूप में दी जा सकती है जो आने वाले दिनों और हफ्तों में दोहराई जाती है।

आयरन कारबौक्सीमालटोज़ (फैरनैक्ट) मध्य डोज़ के रूप में १५ मिनट के दौरान दी जा सकती है। हो सकता है किसी और समय इसे दोहराने की आवश्यकता पड़े।( अभी उपलब्ध नहीं है )

आई वी आयरन के साईड अफैक्ट (बुरे असर)

जो मरीज़ आयरन निषेध ले रहे हों उन्हें इसके साईड अफैक्ट का अनुभव हो सकता है जिसमें शामिल हैं:

- अस्थायी तौर पर स्वाद में बदलाव (जैसे धातु का)
- सिरदर्द, उल्टी जैसा महसूस होना या उल्टी होना
- मॉसपेशी और जोड़ों में दर्द
- सौंस फुलना
- खुजली , रेश
- ब्लड प्रेशर या नब्ज़ में बदलाव
- टीके की जगह पर जलन और सूजन
- खतरनाक साईड अफैक्ट बहुत कम होते हैं। नर्स वर्ग आपको नजदीक से जाँचते रहेंगे इन साईड अफैक्ट के लिए

आइरन निषेक के दिन

- अपना नाश्ता / लंच कर लें। आयरन निषेक के दिन भूखे पेट रहने की आवश्यकता नहीं है।
- अपनी सभी नियमित दवायें लें
- निषेक के बाद आप अपनी गाढ़ी चलाकर घर जा सकते हैं और रोज़मर्रा की गतिविधियाँ शुरू कर सकते हैं (अगर अचानक कोई प्रतिक्रिया न हो )
- आयरन आपको छोटी आई वी डिप के द्वारा दी जाएगी जो आपकी बाजू में लगेगी
अगर आपको कोई भी साइड अफेक्ट का अनुभव हो तो तुरंत अपनी नर्स से बताएं

आयरन निषेक के बाद

कभी कभी साइड अफेक्ट्स निषेक के एक या दो दिन बाद शुष्क होते हैं जिसमें सिरदर्द, हल्का बुखार, जोड़े और मॉसपेशी में ददर्द शामिल है। थोड़े दिनों बाद यह अकसर अपने आप ठीक हो जाते हैं। आयरन पॉलीमालटोज़ की ‘टोटल डोज’ निषेक के बाद यह आम तौर पर होते हैं। अगर आपको कोई चिंता है या रोजमर्रा के काम में यह बाधा डाल रहे हों तो अपने डॉक्टर या मिडवाइफ या निषेक सेंटर से सलाह लें। अगर आपकी छाती में ददर्द है, सांस लेने में परेशानी है, चक्कर आना या गले / मुँह में सोजश हो तो शीघ्र मैडीकल सहायता लें / एंबुलेंस को बुलाएं (111)

आयरन निषेक के बाद एक सप्ताह तक आयरन की गोली बंद करनी चाहिए क्योंकि जो आयरन उनमें है उसे शरीर सोख नहीं सकेगा। अगर आप एक से अधिक आयरन निषेक लेते हैं तो उस इलाज के दौरान भी आयरन की गोली बंद रखें। आई वी आयरन निषेक के बाद अकसर इसकी आवश्यकता नहीं पड़ती (खासकर ‘टोटल डोज’ देने के बाद)। अपने डॉक्टर या मिडवाइफ से जानकारी लें कि आयरन की गोली की अगर आवश्यकता है तो कब है।

अस्पताल में संपर्क का विवरण:

अपाइंटमेंट की तारीख: समय: जगह:
ब्लड टेस्ट की तारीख:

अधिक जानकारी के लिए : अपने डॉक्टर या मिडवाइफ से बात करें